



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)

Class 7: Hindi Chapter 14 solutions. Complete Class 7 Hindi Chapter 14 Notes.

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)

NCERT 7th Hindi Chapter 14, class 7 Hindi Chapter 14 solutions

पृष्ठ संख्या: 105

प्रश्न अभ्यास

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>

निबंध से

1. खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है? अपने घर के उदाहरण देकर इसकी व्याख्या करें।

उत्तर

खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का मतलब विभिन्न प्रदेशों के खान-पान के मिश्रित रूप से है। आज हमें एक ही घर में हमें कई प्रान्तों के खाने देखने के लिए मिल जाते हैं। उदाहरण के तौर पर मेरा घर दिल्ली में है जहाँ परांठे आदि ज्यादा बनते हैं परन्तु खानपान की मिश्रित संस्कृति की वजह से साम्भर-डोसा, इडली जो की दक्षिण भारत का प्रमुख भोजन है वो भी बनता है।

(आप अपने घर के भोजन को भी उदाहरण के लिए दे सकते हैं। अगर आप उत्तर भारतीय हैं तो आपके घर में दक्षिण भारतीय भोजन भी बनता होगा और दक्षिण भारतीय के घरों में उत्तर भारत के भोजन भी बनते हैं।)

2. खानपान में बदलाव के कौन से फायदे हैं? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उत्तर

खानपान में बदलाव के कई फायदे हैं जैसे हमारी खाने में रुचि बनी रहती है, देश-विदेश के व्यंजन पता चलते हैं, इससे भारत की राष्ट्रीय एकता भी बनी रहती है। साथ ही इससे जल्दी बनने वाले खानों का उपलब्ध होने लगी है जिससे समय की भी बचत होती है। हम अपने स्वास्थ्य और स्वाद के अनुसार भी भोजन का चयन कर सकते हैं।

इन सब फायदों के बावजूद लेखक इसलिए चिंतित हैं क्योंकि इसके नुकसान भी हैं जैसे स्थानीय भोजन की लोकप्रियता का कम हो रही है साथ ही खाद्य पदार्थों में शुद्धता की कमी होती जा रही है। कुछ लोग उन व्यंजनों का प्रयोग अत्याधिक करने लगे हैं जो केवल स्वाद देते हैं परन्तु स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

3. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है?

उत्तर NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)

खानपान के मामले में स्थानीयता का अर्थ है कि वे व्यंजन जो स्थानीय आधार पर बनते थे। जैसे मुम्बई की पाव-भाजी, दिल्ली के छोले-कुलचे, आगरा के पेठे आदि।

निबंध से आगे

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>

1. घर से बातचीत करके पता कीजिए कि आपके घर में क्या चीजें पकती हैं और क्या चीजें बनी-बनाई बाज़ार से आती हैं। इनमें से बाज़ार से आनेवाली कौन-सी चीजें आपके-माँ-पिता जी के बचपन में घर में बनती थीं?

उत्तर-

मैं उत्तर भारतीय निवासी हूँ। हमारे घर में कई प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं तथा कई तरह के बाजार से लाया जाता है। घर में बनने वाली चीजें एवं बाजार से आने वाली चीजों की तालिका नीचे दी जा रही है।

हमारे घर में बननेवाली चीजें	बाजार से आनेवाली चीजें
दाल	समोसे
रोटी	जलेबी
सब्ज़ी, कड़ी	ब्रेड पकौड़े
राजमा-चावल	बरफ़ी, आइसक्रीम
छोले, भटूरे, खीर,	ढोकला
हलवा	गुलाबजामुन

2. यहाँ खाने, पकाने और स्वाद से संबंधित कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और इनका वर्गीकरण कीजिए -

उबालना, तलना, भूनना, सेंकना, दाल, भात, रोटी, पापड़, आलू, बैंगन, खट्टा, मीठा, तीखा, नमकीन, कसैला।

उत्तर

भोजन कैसे पकाया स्वाद

दाल उबालना नमकी
न

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>

भात	उबालना	मीठा
रोटी	सँकना	मीठा
पापड़	तलना	नमकी न
आलू	उबालना	मीठा
बैंगन	भूनना	कसैला

पृष्ठ संख्या: 107

भाषा की बात

1. खानपान शब्द, खान और पान दो शब्दों को जोड़कर बना है। खानपान शब्द में और छिपा हुआ है। जिन शब्दों के योग में और, अथवा, या जैसे योजक शब्द छिपे हों, उन्हें द्वंद्व समास कहते हैं। नीचे द्वंद्व समास के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए और अर्थ समझिए -

सीना-पिरोना, भला-बुरा, चलना-फिरना,

लंबा-चौड़ा, कहा-सुनी, घास-फूस।

उत्तर

सीना-पिरोना - सीना-पिरोना की कला हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है।

भला-बुरा - मैंने उसे भला-बुरा कह दिया था।

चलना-फिरना - वृद्धावस्था के कारण अब चलना-फिरना कठिन हो गया है।

लंबा-चौड़ा - ये पुल बहुत लम्बा-चौड़ा है।

कहा-सुनी - मेरी रमण से खेल में कहा-सुनी हो गयी।

घास-फूस - उसका घर घास-फूस का है।



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 7 Hindi :

- Chapter 1- हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)
- Chapter 2-दादी माँ (कहानी)
- Chapter 3-हिमालय की बेटियाँ (निबंध)
- Chapter 4-कठपुतली (कविता)
- Chapter 5-मिठाईवाला (कहानी)
- Chapter 6-रक्त और हमारा शरीर (निबंध)
- Chapter 7-पापा खो गए (नाटक)
- Chapter 8-शाम-एक किसान (कविता)
- Chapter 9-चिड़िया की बच्ची (कहानी)
- Chapter 10-अपूर्व अनुभव (संस्मरण-जापानी)
- Chapter 11-रहीम के दोहे (कविता)
- Chapter 12-कंचा (कहानी)
- Chapter 13 -एक तिनका (कविता)
- Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)
- Chapter 15-नीलकंठ (रेखाचित्र)
- Chapter 16-भोर और बरखा (कविता)
- Chapter 17-वीर कुँवर सिंह (जीवनी)
- Chapter 18-संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज हो गया: धनराज (साक्षात्कार)
- Chapter 19-आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा-जोखा)
- Chapter 20-विप्लव गायन (कविता)

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](#) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-14-khanpan-ki-ba-dalati-tasvir-nibandh/>